PHILOSOPHY

दर्शनशास्त्र

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I

खण्ड — I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

We do not say that the divine is beyond the World : it is also behind it. It is supporting this world with its oneness and sustaining us and in facing the burden of division. The cosmosis working out a greater possibility of reaching spiritual oneness through the exercise of human freedom with all its consequences of danger and difficulty, pain and imperfection........... As to why the divine should have permitted this particular plan, we can understand it when we cross the barrier of our limited intelligence and see things from the supreme identity that lies behind the terrestrial process. From where we are, we can only say that it is a mystery (māyā) or is the divine will, or the expression of his creative force. Māyā does not mean that the World is a vain illusion, mere smoke without fire. The purpose of human life is to cross the line to emerge from insufficiency and ignorance to fullness and wisdom. This is moksa, or liberation into the light of superconsciousness. It is parama purusārtha, the supreme end of life, and the means to it is dharma. Moksa or liberation is to be achieved here and now, on earth, through human relations".

- S. Radhakrishnan

हम यह नहीं कहते हैं कि दैवी सत्ता जगत् से बाहर है, यह जगत् का आधार है। यह अपने एकत्व से जगत् को धारण किये हुए है और यह विभेद के भार का सामना करने में हमारी सहायता करता है। भय और कठिनाई, दुःख और अपूर्णता वाली मानवीय स्वतंत्रता के द्वारा ब्रह्माण्ड आध्यात्मिक एकता को उच्चतर संभावना को खोज रहा है।........... दैवी शक्ति ने केवल इस योजना को क्रियान्वित होने के लिये क्यों अनुमति दी – इसे हम तभी समझ सकते है जब हम अपनी सीमित बुद्धि की सीमाओं का अतिक्रमण करने में समर्थ होते हैं और पार्थिव प्रक्रिया के पीछे विद्यमान परम सत्ता की दृष्टि से इसे देखते हैं। जहाँ हम हैं वहाँ से हम केवल यही कह सकते हैं कि यह माया है अथवा यह दैवी इच्छा है या उसकी रचनात्मक शक्ति की अभिव्यक्ति है। माया का अर्थ यह नहीं है कि संसार निरर्थक भ्रम है, या अकारण है। मानव जीवन का उद्देश्य इस सीमा का अतिक्रमण कर अपर्याप्तता तथा अज्ञान से ऊपर कर पूर्णता और विवेक को प्राप्त करना है। अतिचेतना के प्रकाश में यह मुक्ति या मोक्ष की प्राप्ति है। यह परम पुरुषार्थ है। यह जीवन का परम अन्त और इसकी प्राप्ति का साधन धर्म है। मानवीय सम्बन्धों के माध्यम से मोक्ष या मुक्ति की प्राप्ति इसी संसार में, इसी जीवन में होनी है।

– एस्. राधाकृष्णन

www.examrace.com

1. What is the relation between divine and world ?

जगत् एवं दैवी सत्ता में क्या सम्बन्ध है?

2. In what direction is the cosmos working ?

ब्रह्माण्ड किस दिशा में कार्य कर रहा है?

www.examrace.com

3. When shall we understand the rationale behind the plan of the divine ?

दैवी सत्ता की योजना के पीछे आधार को हम समझने में कब समर्थ होंगे?

4. What is Māyā ? How to overcome it ?

माया क्या है? हम इससे कैसे मुक्ति पा सकते हैं?

www.examrace.com

5. What is Parama Purusārtha ? How to attain it ?

परम पुरुषार्थ क्या है? हम इसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

www.examrace.com

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the concept of dravya in Jainism.

जैन दर्शन में द्रव्य के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

7. Define 'cause'.

'कारण' की परिभाषा दीजिए।

www.examrace.com

8. What is pramāna ? List different kinds of pramāṇas.

प्रमाण क्या होता है? भिन्न प्रकार के प्रमाणों की सूची बनाइए।

9. Define knowledge.

ज्ञान की परिभाषा दीजिए।

www.examrace.com

10. What is anumāna ?

अनुमान क्या होता है?

11. Describe the tri ratnās of Jainism.

जैन दर्शन के त्रिरत्नों की व्याख्या कीजिए.

www.examrace.com

12. What is endaemonism ?

आत्मपूर्णतावाद क्या है?

13. What is feminism ?

नारीवाद क्या है?

www.examrace.com

14. Draw the figure of opposition.

विरोध-वर्ग का आरेखन कीजिए।

15. What is an argument form ?

तर्क-आकार क्या होता है?

www.examrace.com

16. Distinguish between pure being and becoming.

शुद्ध-सत् एवं संभूति में भेद कीजिए।

17. Define <u>anirvacanīyakhyāti</u> ?

अनिर्वचनीय ख्याति की परिभाषा कीजिए।

www.examrace.com

18. What is lokasaṁgraha ?

लोकसंग्रह सिद्धान्त क्या है ?

19. Define goodwill.

शुभ संकल्प की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

www.examrace.com

20. Distinguish between universal quantification and existential quantification.
सर्व परिमाणकता और अस्तित्व परिमाणकता में भेद कीजिए।

www.examrace.com

SECTION – III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose <u>only one</u> elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Discuss the problems and perspectives of Comparative Religion.
तुलनात्मक धर्म की समस्या तथा उसके परिप्रेक्ष्य का विवेचन कीजिए।

22. State the role of religion in Secular Society.
धर्मनिरपेक्ष समाज में धर्म की भूमिका का वर्णन कीजिए।

23. Write an essay on Immortality of Soul.
आत्मा की अमरता पर एक निबन्ध लिखिये।

24. What is religions experience ? Is it itself a proof for the existence of God ? Discuss.
धार्मिक अनुभूति क्या है? क्या यह स्वयं ईश्वर की सत्ता के लिये प्रमाण है? विवेचन कीजिए।

25. Compare the world views of Jainism and Sikhism.
जैन धर्म एवं सिख धर्म की विश्व दृष्टि की तुलना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प –II

21. 'The meaning of a word is its use in language'. Explain.
'शब्द का अर्थ तो भाषा में उसका प्रयोग है।' व्याख्या कीजिए।

22. Explain Russell's distinction between knowledge by acquaintance and knowledge by Description.
परिचय द्वारा ज्ञान और वर्णन द्वारा ज्ञान में रसेल द्वारा किए गए भेद की व्याख्या कीजिए।

23. Are universals merely names ? Discuss.
क्या सामान्य मात्र नाम होते हैं? व्याख्या कीजिए।

24. Explain Quine's saying "Meanings ... are meanings of expressions".
क्वाईन के इस कथन की व्याख्या कीजिए, ''अर्थ...... तो अभिव्यक्तियों के अर्थ होते हैं।

25. Distinguish between locutionary and illocutionary acts.
वचन एवं वचनेतर क्रियाओं में भेद कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प –III

21. Examine the role of Dasein in the context of the concept of Being (sein).
सत की अवधारणा के संदर्भ में डज़ाईन भूमिका का परीक्षण कीजिए।

22. Elucidate Husserl's method of reduction.
हुसरेल की अपचयन विधि की व्याख्या कीजिए।

23. Discuss Husserl's view that intentionality is the essence of consciousness.
हुसरेल के इस मत की व्याख्या कीजिए कि विषयाभिमुखता चेतना का सार है।

www.examrace.com

24. Explain the significance of hermeneutic circle.
श्रुत्यर्थपर्यालोचना चक्र के महत्व की व्याख्या कीजिए।

25. 'The text is dead'. Discuss.
'पाठ का समापन हो गया है'। व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

21. Why had Advaita Vedānta made the distinction of Saguṇa and Nirguṇa Brahman ? Discuss.
सगुण और निर्गुण ब्रह्म का भेद अद्वैत वेदान्त ने क्यों किया है? विवेचन कीजिये।

22. How does Rāmānuja explain <u>tat</u> <u>tvam</u> <u>asi</u> ? Discuss.
रामानुज तत्वमसि की व्याख्या कैसे करते हैं? विवेचन कीजिए।

23. Discuss the role of reason and revelation in Dvaita Vedānta.
द्वैत वेदान्त में तर्क और दैवी प्रकाशन की भूमिका का विवेचन कीजिये।

24. Discuss the nature of Perception according to Advaita Vedānta.
अद्वैत वेदान्त के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

25. What is Prapatti ? Why has Rāmānuja inducted that mārga in his system ? Discuss.
प्रपत्ति क्या है? रामानुज ने क्यों इस मार्ग को अपने दर्शन में स्थान दिया है? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा
Elective - V
विकल्प – V

21. What is non - violence ? How far Gandhi is justified in making distinction between non - violence of the strong and non - violence of the weak ? Discuss.
अहिंसा क्या है? शक्तिशाली की अहिंसा और कमजोर की अहिंसा के मध्य भेद करने में गाँधी कैसे युक्ति संगत हैं? विवेचन कीजिये।

22. State the relevance of Gandhian concept of trusteeship in the context of globalisation.
वैश्विकरण के संदर्भ में गाँधी के ट्रस्टीशिप (न्यासता सिद्धान्त) की अवधारणा की प्रासंगिता का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

23. What is Dharma and what is Religion ? Is there any distinction between the two according to Gandhi ? Discuss.
धर्म और रिलिजन क्या हैं? क्या गाँधी जी के अनुसार दोनों में कोई भेद है? विवेचन कीजिए।

24. Is the system of Panchayat Raj successful in establishing Grām Swarāj ? Discuss.
क्या ग्राम स्वराज्य की स्थापना में पंचायती राज व्यवस्था सफल है? व्याख्या कीजिये।

25. Examine the means - end relationship from the view point of Gandhian philosophy.
गाँधीदर्शन के सन्दर्भ में साधन और साध्य के मध्य सम्बन्ध का मूल्यांकन कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Is the doctrine of purusārthas relevent today ? Discuss.
क्या पुरुषार्थ का सिद्धान्त आज प्रासंगिक है ? विवेचन कीजिए

OR / अथवा

Can religion contribute to the promotion of world peace ? Discuss.
क्या धर्म, विश्वशांति में योगदान कर सकता है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Is Gandhi's doctrine of <u>sarvodaya</u> as utopian ? Discuss.
क्या गांधी का सर्वोदय का सिद्धान्त एक यूटोपिया है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

"Philosophy has variously interpreted the world, the point, however, is to change it". Discuss.
दर्शन ने जगत् की बहुविध व्याख्या की परन्तु महत्वपूर्ण तो उसमें परिवर्तन लाना है। विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

"Tradition divides, modernity unites". Discuss.
"परम्परा विभाजित करती है जबकि आधुनिकता जोड़ती है"। विवेचन कीजिए।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

www.examrace.com